08.01.2020
दैनिक भास्कर नई दिल्ली
Dainik Bhaskar New Delhi

इंडियन बैंक के तत्वावधान में तमिलनाडु में हुआ एक मजबूत बैंक का उदय

नई दिल्ली। इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा प्रायोजित दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) के हाल के विलय से एक दिलचस्प बात निकल कर आई है। खास बात यह है कि दो अलग-अलग प्रायोजकों वाले दो क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, इंडियन बैंक द्वारा प्रायोजित पल्लवन ग्राम बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक द्वारा प्रायोजित पांडियन ग्राम बैंक का इंडियन बैंक के प्रायोजक वाली एक नई इकाई तमिलनाडु ग्राम बैंक में विलय किया गया। विलय के बारे में भारतीय राजपत्र में अधिसूचना जनवरी 2019 के अंत में वित्त मंत्रालय, भारत सरकार और विलय की गई इकाई द्वारा जारी की गई थी, जिसे 1 अप्रैल, 2019 से लागू होना था। टेक्नोंलॉजी का पूर्ण एकीकरण और एक ही मंच पर हस्तांतरण एक अक्टूबर, 2019 तक पूरा हो गया था।

बैंक दो अलग-अलग तकनीकी प्लेटफार्मों पर काम कर रहे थे, जो सबसे बड़ी चुनौती थी। तकनीकी विशेषज्ञों के नियमित हस्तक्षेप और बैठकों द्वारा लगातार प्रयासों के साथ इसे सुचारू किया गया। पल्लवन ग्रामीण बैंक टीसीएस द्वारा विकसित बैंक्स का उपयोग कर रहा था और पांडियन ग्राम बैंक आईओबी द्वारा विकसित इन-हाउस सीबीएस प्लेटफ़ॉर्म क्रॉउन का उपयोग कर रहा था। इस विलय में विभिन्न चरणों को शामिल किया गया था, जिनका संक्षेप में यहां उल्लेख किया गया है।

दोनों प्रायोजक बैंकों, राज्य सरकार और केंद्र सरकार से अनुमोदन प्राप्त किए गए थे। विलय हुए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (RRB) का नाम, नए क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के मुख्यालय की जगह, उसके शेयर पूंजी इत्यादि की व्यवस्था की गई थी। दोनों क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थिति के व्यापक विश्लेषण के बाद, इंडियन बैंक के प्रबंधन और दोनों क्षेत्रीय बैंकों के शीर्ष अधिकारियों ने एक विस्तृत रोडमैप को अंतिम रूप दिया। विविध तरह के कार्यों को, जैसे नई इकाई के लिए लोगो और स्लोगन - प्रधान कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय श्रमबल की तैनाती प्रशिक्षण और निदेशक मंडल का गठन पूरा किया गया।